भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3648
दिनांक 03 अप्रैल, 2023

कच्चे तेल के उत्पादन में कमी

3648 # श्री नीरज डांगी :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों में कच्चे तेल के उत्पादन में दर्ज की गई कमी का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार देश में नई प्रौद्योगिकियों की सहायता से अत्यधिक पुराने हो चुके तेल क्षेत्रों को पुनर्जीवन प्रदान कर उनकी क्षमता को बढ़ाने का प्रयास कर रही है, यदि हां, तो ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा देश में कच्चे तेल की आवश्यकता को स्वदेशी स्रोतों से पूर्णरूप से कब तक पूरा कर लिए जाने की संभावना है; और
(घ) ऑयल इंडिया, ओएनजीसी आदि जैसी कंपनियों द्वारा स्वदेशी कच्चे तेल की खोज और उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाए गए है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) पिछले 2 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

वित्त वर्ष	2020-21	2021-22	2022-23 (फरवरी 2023 तक)
कच्चे तेल का उत्पादन (एमएमटी)	30.49	29.69	26.72

स्रोत: डीजीएच, एमएमटी:मिलियन मीट्रिक टन

(ख) **पुराने तेल क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:**

- उन्नत तेल निकासी (आईओआर) तथा वर्धित तेल निकासी (ईओआर) तकनीकों को कार्यान्वित करने के माध्यम से निकासी में सुधार
- उत्पादन बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकियां शामिल करना।
- रुग्ण कूपों का पुनरुद्धार।
- कूपों की इनफिल ड्रिलिंग।
- सुविधाओं तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का पुनरुद्धार।

- मौजूदा परिपक्व क्षेत्रों का पुनर्विकास तथा नए क्षेत्रों/सीमांत क्षेत्रों का विकास।
- तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से मौजूदा हाइड्रोकार्बन भंडारों की निकासी बढ़ाने के लिए वर्धित निकासी (ईआर), उन्नत निकासी (आईआर) तथा गैर पारंपरिक हाइड्रोकार्बन (यूएचसी) उत्पादन पद्धतियों/तकनीकों को अपनाने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं।

(ग) सरकार ने आजादी के 100 वर्ष पूरे होने के पहले भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने का संकल्प किया है।

(घ) ओएनजीसी और ओआईएल ने परिपक्व क्षेत्रों में निकासी में सुधार के लिए आईओआर तथा ईओआर प्रौद्योगिकियों को शामिल किया है। ओएनजीसी पूर्वी अपतट में कृष्णा गोदावरी बेसिन में खोजों को विकसित करने पर विशेष जोर दे रही है। इसके अलावा, ऑयल इंडिया वर्क ओवर रिग संसाधन बढ़ा रही है, मौजूदा ड्रिलिंग रिग्स को वैरिएबल ि ब्वेंसी ड्राइव (वीएफडी) प्रौद्योगिकी से प्रतिस्थापित कर रही है तथा ऑटिफिशिअल लि िंटग की क्षमता बढ़ा रही है। ओएनजीसी द्वारा घरेलू कच्चे तेल का अन्वेषण और उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर राज्यों, हिमालय की घाटियों, विंध्य, गंगा, कु ापह, नर्मदा, सौरा , कच्छ, अंडमान और बंगाल जैसे भूवैज्ञानिक दृष्टि से जटिल और संभार तंत्र के लिहाज से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में अन्वेषण किया जा रहा है। गहरे समुद्री तथा अन्य अग्रणी क्षेत्रों में अन्वेषण और जानकारी को साझा करने के लिए प्रमुख वै ि क अन्वेषण और उत्पादन कंपनियों के साथ अंतर्रा ीय सहयोग समझौते भी हैं।

****